

**Shri S. N. Das:** May I know whether there has been an increase in the intensity of the work of implementing all the recommendations?

**Sardar Swaran Singh:** So far as we are concerned, we have always been doing intensive work for recovery. It is not as if, as a result of this, we have intensified our efforts; we have always done our best and we continue to do our best.

**Sardar Hukam Singh:** May I know whether the Government have seen statement in the Press by a spokesman of Pakistan that they have recovered all the abducted persons and returned them?

**Sardar Swaran Singh:** I had occasion to see something that was reported in the Press. Beyond that, there is nothing that has been officially communicated to us on that matter.

**Sardar Hukam Singh:** May I know whether the Government have any information whether any of the 2,000 abducted girls that were in the custody of the officers in the Secretariat of Pakistan at Karachi and whose particulars had all been given have been recovered?

**Sardar Swaran Singh:** I require notice.

### दूसरी पंचवर्षीय योजना

\*१४७८. श्री एम० एल० द्विवेदी :  
क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार द्वारा दूसरी पंचवर्षीय योजना के अधीन भाग 'ख' तथा 'ग' राज्यों में व्यय की जाने वाली धन राशि के प्राक्कलन सम्बन्धित राज्य सरकारों के परामर्श से तैयार किये जाते हैं; और

(ख) यदि नहीं, तो किस आधार पर तैयार किये जाते हैं ?

योजना उपमंत्री (श्री एस० एन० मिश्र) :  
(क) जी, हाँ ।

(ख) यह सवाल ही नहीं उठता ।

श्री एम० एल० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता था कि 'ख' तथा 'ग' राज्यों के अधिकांश पिछड़े हिस्सों जैसे धं जाँ कि भूतपूर्व शासकों के शासन के अन्दर थे, क्या सरकार इनकी तरक्की के लिये कोई विशेष प्रोग्राम बनायेगी, यदि हाँ, तो इसके सम्बन्ध में किस से राय ली जायगी ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी हाँ, यह बहुत जरूरी है कि इन हिस्सों पर काफी ध्यान दिया जाय ।

श्री एम० एल० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूँ कि भाग 'ख' और 'ग' राज्यों का जो विकास किया जा रहा है उसके सम्बन्ध में राज्यों की जो सलाह ली जा रही है, क्या प्लानिंग कमिशन में उस पर विशेष ध्यान देने की बात चल रही है ?

श्री एस० एन० मिश्र : मंत्री समझ में नहीं आता कि विशेष अनुसंधान की बात क्या है इसमें, लेकिन जो हमारा तरीका है इन सबों से परामर्श करने का वह बहुत मुनासिब तरीका है और उससे काफी फायदा होता है ।

**Shri L. N. Mishra:** From the progress Report, it appears that the shortfall in the working of the Plan has been higher in percentage in respect of Part B and Part C States. May I know whether any special attention has been given to the question of the availability of technical personnel, etc., for those States?

**Shri S. N. Mishra:** It is true that the tempo of development in those areas has been somewhat slower and one of the reasons, as assigned by the hon. Member, is the lack of technical and administrative personnel. Proper attention is being given to it. In fact, the Planning Commission had already recommended a Central Development cadre which would benefit those areas.

श्री एम० एल० द्विवेदी: इस मौजूदा पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत मैंने यह देखा कि भाग 'ख' तथा 'ग' राज्यों का क्षेत्रफल भाग 'क' राज्यों के आधे से अधिक है और वहाँ की जनसंख्या भी एक तिहाई से अधिक है, फिर भी इस अनुपात से जहाँ इन्वेलपमेंट के लिये कोई रकम रक्खी गयी है या नहीं, और किस तरह से वहाँ पर काम चला, मैं जानना चाहता हूँ कि इस नई योजना में इस बात का क्या ध्यान रक्खा जायगा कि क्षेत्रफल और उसकी जनसंख्या के हिसाब से वहाँ पर उन्नति करने का अधिक विचार किया जायगा ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी हाँ, संतुलित अनुपात में इन सारी बातों का ध्यान रक्खा जाता है । —I mean in a balanced proportion.

श्री राधेलाल व्यास : क्या मैं जान सकता हूँ कि जो योजनाएँ पार्ट 'बी' और 'सी' स्टेट्स से योजना आयोग को भेजी जाती हैं, उनकी जांच-पड़ताल करने के लिये और जिन स्थानों पर जो योजनाएँ कायम की जानी हैं, उनके मुकाबले में दूसरे स्थान पर ज्यादा काम कम खर्च में किया जा सकता है, इस की जांच-पड़ताल के लिये क्या व्यवस्था है ?

श्री एस० एन० मिश्र : यह कोई खास इन राज्यों से इसका ताल्लुक रखना हो, ऐसी बात नहीं है । दूसरे राज्यों में भी इस तरह के सवाल उठते हैं और हमारा जो तरीका है कि जिस जगह पर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुँचे उन्हीं जगहों में उन योजनाओं को होना चाहिये, वही तरीका यहाँ भी काम में लाया जाता है ।

#### PILGRIMAGE

\*1479. **Shri Krishnacharya Joshi:** Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) the total number of Indians who went to foreign countries on pilgrimage during 1954; and

(b) the amount incurred by Government thereon?

**The Deputy Minister of External Affairs (Shri Anil K. Chanda):** (a) Information received so far from the State Governments shows that approximately 13,566 Indians went to foreign countries on pilgrimage during 1954.

(b) approximately Rs. 12,754/-.

**Shri Krishnacharya Joshi:** May I know whether, in view of the fact that pilgrimage is a religious affair, how far it is consistent with the secular policy of the State to incur expenditure on pilgrimages?

**The Prime Minister and Minister of External Affairs and Defence (Shri Jawaharlal Nehru):** The money spent by us is almost entirely on medical facilities to see that infections, etc., do not spread. If there is Magh Mela in Allahabad, we do not spend money over religious matters but on organising it properly, so that unfortunate occurrences might not take place.

**Shri Krishnacharya Joshi:** What facilities are given to Sikhs who go to Pakistan and Muslims who go to Haj?

**Shri Jawaharlal Nehru:** It may perhaps interest the House to know the names of places, the countries, abroad to which pilgrims from India go. One lot goes to Haj, Saudi Arabia, Iraq, Iran, Syria, Jordan, Lebanon; another lot goes to Palestine, Egypt, Turkey, Israel, Persian Gulf; another lot to Pakistan, Burma and Ceylon and Tibet; then another to Italy France.

**श्री भक्त वरुण :** क्या माननीय प्रधान मंत्री जी के ध्यान में यह बात आई है कि इस वर्ष कलशा और मानसरोवर को जो भारतीय यात्री गये थे, उनके साथ डकैती व कत्ल आदि की कई घटनाएँ हुई हैं, और क्या मैं जान सकता हूँ कि चीन और तिब्बत की सरकारों ने भारतीय यात्रियों की रक्षा के लिये जो प्रबन्ध किया हैं उससे माननीय प्रधान मंत्री संतुष्ट हैं ?

**श्री जवाहरलाल नेहरू :** जी हाँ । कुछ ऐसी हीसला डकैती वगैरह की एक दो दफा आई